बुद्धिस्ट सर्किट टूरिस्ट ट्रेन

		1800110139 डाऊनलोड ब्रोशर		बुद्धिस्ट सर्किट टूरिस्ट ट्रेन चाईनीज भाषा । लोग इन		
होम	**टूअर विवरण**	**टूअर विशेषताएं**	**यात्रा कार्यक्रम**	**फोटो गैलरी**	**प्रशंसा**	**हमसें सम्पर्क करें**

''आईआरसीटीसी भारतीय नागरिकों को बुद्धिस्ट सर्किट टूरिस्ट ट्रेन में बुकिंग के लिए 25% छूट प्रदान करता है।''

''आईआरसीटीसी विश्व भर में बुद्धिस्ट सर्किट टूरिस्ट ट्रेन टुअर पैकेज के विपणन, प्रचार एवं बिक्री के लिए पीएसए नियुक्त करने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। इच्छुक पार्टियां आईआरसीटीसी को और अधिक विवरण के लिए budhisttrain@irctc.com पर सम्पर्क कर सकती हैं।

बुद्धिस्ट सर्किट पर्यटन गाड़ी में निवेदन के आधार पर नियमित और अपनी मर्जी के अनुसार यात्रा कार्यक्रम के लिए चार्टर्ड ट्रिप भी उपलब्ध है।

आपके टुअर की योजना	
टुअर तिथि	**तिथि चुनें**
अतिथियों की सं	**अतिथी चुनें**
श्रेणी	**श्रेणी चुनें**

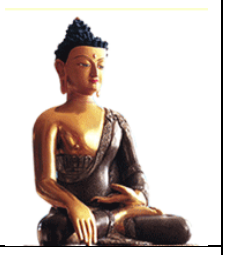

आनंदा जहां चार स्थान है जो कि धर्म की राह पर चल रहे हैं, की यात्रा कर जिससे उन्हें धर्म के लिए प्रेरणा प्राप्त हो सकेगी।

किराया	**उपलब्धता**	**टिकट बुक कराएं**

''बुद्धम् शरणम् गच्छामि

धम्मम् शरणम् गच्छामि'

संगम शरणम् गच्छामि''

महापरिनिर्वाण सूत्र में भगवान बुद्ध अपने अनुयायियों से कहते हैं कि वे उनके जन्म स्थल (लुम्बिनी), ज्ञान स्थल (बोधगया), प्रथम दीक्षा स्थल (सारनाथ) और निर्वाण स्थल (कुशीनगर) की तीर्थ यात्रा करके सुख एवं शांति पा सकते हैं।

भारत वर्ष ऐसा देश है जहां बौद्ध धर्म का जन्म हुआ था, और फला-फूला एवं बाद में ह्रास हुआ। आज भी बौद्ध परम्परा के भव्य स्मारक मौजूद है। यह अति संयम की शिक्षा के प्रसार-प्रचार अभियान के अंतर्गत अस्तित्व में आया, यहां अनूठी वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने, स्तूप (पत्थर के विशाल स्तम्भ, जिन पर बौद्ध धर्म की शिक्षा अंकित है), चैत्य ग्रह (प्रार्थना स्थल) और विहार (भिक्षुओं के रहने का स्थान) आज भी यहां बौद्ध धर्म की महानता का गुणन करते हैं।

आईए, बुद्धिस्ट सर्किट टूरिस्ट ट्रेन के साथ इस ज्ञान परिपथ पर भ्रमण करें।

दिन 1 दिल्ली से गया के लिए प्रस्थान	**टूर नक्शा**	**''ग्राहकों के मत''**	**''मीडिया का मत''**
• दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर स्वागत • गया के लिए प्रस्थान • ऑनबोर्ड रात्रि भोज • पूरी रात गाड़ी में		उत्कृष्ट ऑनबोर्ड सुविधाएं। आरामदेह यात्रा कार्यक्रम- **सिंगापुर से सुश्री श्री जैनिफर टैन** सुखद ट्रिप, ज्ञानवर्द्धक ट्रिप, शिक्षाप्रद **ट्रिप...भारत से श्री एस.के. अग्रवाल** ऑनबोर्ड सुविधाएं, भोजन अच्छा था **श्री एनेन्डा एलविज आस्ट्रेलिया से**	बुद्ध के कदमों पर..... **अगस्त 2008 डिस्कवरी चैनल मैगजीन (एशिया पैसिफिक)** भारत में बुद्धिस्ट स्थलों की यात्रा का एक नया मार्ग..... **डिप्लोमेटिक मैगजीन** श्रद्धा का तरीका..... **एक्सप्रेशन्स –मार्च 2008**

टुअर विवरण

बुद्धिस्ट स्पेशल टुअर कार्यक्रम

- **दिन 1 – दिल्ली (दिल्ली सफदरजंग स्टेशन) से दोपहर बाद गया के लिए प्रस्थान। रात्रि भोजन रेलगाड़ी में।**
- **दिन 2 – गाड़ी में नाश्ता। सुबह गया में आराम। बौद्ध गया मंदिरों के दर्शन। होटल में आगमन। दोपहर का भोजन, रात का भोजन एवं होटल में विश्राम।**
- **दिन 3 – नाश्ता, राजगीर एवं नालन्दा के लिए प्रस्थान, दोपहर का भोजन, दर्शनीय स्थलों की यात्रा। गया से वाराणसी के लिए प्रस्थान। गाड़ी में रात्रि का भोजन।**
- **दिन 4 – सुबह वाराणसी में आगमन। नाशता सारनाथ की सैर। दोपहर का भोजन। सांयकाल की आरती के लिए गंगा प्रस्थान। शाम को वाराणसी से गोरखपुर के लिए प्रस्थान। गाड़ी में रात्रि भोजन।**
- **दिन 5 – सुबहज गोरखपुर में आगमन। महापरिनिर्वाण एवं अन्य दर्शनीय स्थलों की यात्रा। कुशीनगर या गोरखपुर में नाश्ता, दोपहर का भोजन तथा रात का भोजन होटल में विश्राम।**
- **दिन 6 – होटल में नाश्ता। लुम्बिनी (नेपाल) के लिए प्रस्थान। होटल में भोजन। मायादेवी मन्दिर की यात्रा गोरखपुर वापसी। गोरखपुर से गोण्डा के लिए शाम को गाड़ी से प्रस्थान, गाड़ी में रात्रि भोजन।**
- **दिन 7 – सुबह गोण्डा में आगमन। नाश्ता। श्रावस्ती की सैर। दोपहर का भोजन। गोण्डा से आगरा के लिए शाम को प्रस्थान। गाड़ी में रात्रि भोजन।**
- **दिन – 8 गाड़ी में नाश्ता, सुबह आगरा में आगमन। ताजमहल की सैर। दोपहर बाद आगरा से दिल्ली के लिए प्रस्थान। गाड़ी में दोपहर का भोजन। शाम को दिल्ली (दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन) में आगमन।**
- **टुअर तिथियां (दिल्ली से प्रारंभ)**

- **अक्तूबर 2017:- 21 तारीख**
- **नवम्बर 2017:- 25 तारीख**
- **दिसम्बर 2017:- 09 तथा 23 तारीख**
- **जनवरी 2018:- 06 तथा 27 तारीख**
- **फरवरी 2018:- 17 तारीख**
- **मार्च 2018:- 10 तारीख**
- **ये सभी तिथियां शनिवार की है।**
- **अनुरोध पर चार्टर्र टुअर भी उपलब्ध है।**
- **टूअर मूल्य**

	किराया		
यात्रा श्रेणी	**अक्तूबर 2017 से मार्च 2018(प्रति रात)**		**पूर्ण टूअर**
वातनुकूलित प्रथम श्रेणी	US$	**165**	**1155**
वातानुकूलित 2 टायर	US$	**135**	**945**
वातानुकूलित प्रथम कूपे	**165+(आंशिक/पूर्ण टुअर के लिए प्रति व्यक्ति 150 US$ डॉलर) 1305**		

नोट :

1. **प्रथम वातानुकूलित कूपे में गाड़ी यात्रा के दौरान दो यात्रियों के द्वारा केबिन साझा करते हैं।**

2. उपरोक्त उल्लेखित टूअर मूल्य में दो लोगों के द्वारा साझा के आधार पर प्रति व्यक्ति प्रति रात्रि है। आधे टिकट में उसी कक्ष में 5 वर्ष से 12 वर्ष के बीच उम्र के बच्चों के बैड सहित (बच्चे की आयु का प्रमाणपत्र दिया जाए जो कि टिकट जारी करने के समय अपेक्षित है)

- **5 वर्ष से कम आयु के बच्चे निशुल्क (बिना किसी अतिरिक्त बर्थ/सीट के)**
- **कम्फर्म एसी प्रथम श्रेणी में दो सीट वाले कूपे/केबिन (एक ऊपरी और एक निचली सीट) के लिए अतिरिक्त 150 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति लिया जाएगा।**
- **4 सीट वाले एसी प्रथम श्रेणी में दो निचली सीटों के कन्फर्म होने पर 580 अमरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति सरचार्ज लिया जाएगा। अन्य यात्रियों को ऊपर की सीट नहीं दी जाएगी।**
- **02 सीट वाले एसी प्रथम श्रेणी में केवल एक निचली सीट कन्फर्म होने पर 580 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति सरचार्ज लिया जाएगा। ऊपर की एक सीट किसी अन्य यात्री को नहीं दी जाएगी।**
- **अन्य नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.irctctourism.com/buddha के अनुरूप होगी।**

3. उपरोक्त दरें मुद्रा उतर चढ़ाव के अधीन आधारित हैं।

4. आईआरसीटीसी को आपको गाड़ी टुअर से पहले और बाद में एयरपोर्ट अन्तरण, दिल्ली में होटल व्यवस्था और दिल्ली के दर्शनीय स्थलों के भ्रमण आदि के लिए आकर्षक प्रस्ताव पेश करने में प्रसन्नता होगी। कृपया इसके लिए अपना अनुरोध budhisttrain@irctc.com पर भेजें।

- **होटल में एकल आवास**

ऐसे यात्री जो होटल में एकल आवास अर्थात् किसी अन्य के साथ कमरा साझा नहीं करना चाहते हैं, तो उन्हें बुकिंग कराते समय इसके लिए यूएस डॉलर 50 प्रति रात्री या यूएस डॉलर 200 पूरे टुअर के लिए अतिरिक्त राशि का भुगतान करके विकल्प चुनना होगा।
नोटः गाड़ी यात्रा के लिए एकल आवास लागू नहीं है।

पैकेज मूल्य में शामिलः

- विशेष वातानुकूलित रेलगाड़ी से यात्रा।
- सम्पूर्ण पैकेज जिसमें आरामदायक होटलों में आवास, सभी भोजन, प्रवेश शुल्क, वातानुकूलित सड़क यात्रा, बीमा, अनुभवी मार्गदर्शक शामिल हैं।
- बौद्ध स्थलों की व्यापक सैर।
- विश्व के सात अजूबों में शामिल ताजमहल की सैर।
- रेलगाड़ी में सुरक्षा।
- रेलगाड़ी में स्वास्थ्यकर रसोई।
- रेलगाड़ी में स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर स्नानघर सुविधाएं।
- लुम्बिनी के लिए वीजा सुविधाएं।
- डाईनिंग कार
- यात्रा कार्यक्रम के अनुसार केवल वातानुकूलित गाड़ी द्वारा यात्रा।
- यात्रा कार्यक्रम के अनुसार वातानुकूलित वाहनों के द्वारा सड़क यातायात।
- यात्रा कार्यक्रम के अनुसार दर्शनीय स्थलों का भ्रमण।
- यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास व्यवस्था।
- यात्रा कार्यक्रम के अनुसार सभी भोजन।
- अंग्रेजी/हिंदी बोलने वाले एस्कोर्ट।
- यात्रा कार्यक्रम के अनुसार स्मारकों/दर्शनीय स्थलों के ट्रिप के लिए प्रवेश शुल्क।
- यात्रा बीमा।

पैकेज में शामिल नहीं:

- भारतीय एवं नेपाल वीज़ा शुल्क ।
- लाऊन्ड्री, दवाईयों, एल्कोहोलिक पेय आदि जैसी व्यक्तिगत प्रकृति की मदें।
- सफदरजंग रेलवे स्टेशन के लिए और से सड़क परिवहन।
- ट्रिप से पहले और बाद में दिल्ली में होटल आवास, एयर टिकट, बीजा प्रभार आदि। .
- अन्य कोई सेवा जो इसमें शामिल नहीं है।
- स्मारकों एवं अन्य स्थानों पर कैमरा फ्लैश/वीडियों कैमरे के लिए शुल्क।

- **रद्दीकरण की शर्तें**

टुअर शुरू होने से पहले दिनों की संख्या*	कुल कटौती
45 दिन और अधिक (प्रस्थान तिथि को छोड़कर)	पैकेज कीमत का 10%
44 से 15 दिनों की अवधि के भीतर (प्रस्थान तिथि को छोड़कर)	पैकेज कीमत का 25%
14 से 07 दिनों की अवधि के भीतर (प्रस्थान तिथि को छोड़कर)	पैकेज कीमत का 50%
7 दिनों की अवधि के भीतर या निर्धारित तिथि से पहले	पैकेज कीमत का 100%
* यात्रा की शुरुआत के दिन को छोड़कर.	

- **बुद्धिस्ट विशेष गाड़ी का आंशिक टुअर**

ऐसे यात्री जो कि बुद्धिस्ट सर्किट विशेष गाड़ी से आंशिक यात्रा (सात रात से कम) कर रहे हैं, का यात्रा समाप्ति (आईआरसीटीसी की सेवाओं की समाप्ति) और उपस्थिति समय (आईआरसीटीसी सेवाओं का प्रारंभ) रेलवे स्टेशन/होटल में 1900 बजे होगा।
ऐसे पर्यटक जो ग्रुप में 1900 बजे से पहले शामिल या टूर के 1900 बजे से आगे जारी रखना चाहते हैं उन्हें विकल्प दिए कुल रात्री संख्या से अधिक और ज्यादा अतिरिक्त रात्री का प्रभार का भुगतान करना होगा।

महत्वपूर्ण नोटः-

1. **इस टिकट के अर्न्तगत बुक किया आवास अहस्तांतरणीय है।**
2. **यात्री मूल फोटो पहचान पत्र के साथ वाऊचर रखे और यह तभी वैध होगा जब इसे फोटो पहचान पत्र के साथ दिखाया जाएगा। यदि संबंधित फोटो पहचान पत्र वाऊचर के साथ में नहीं होने पर इसे बिना टिकट यात्री समझा जाएगा और तद्नुसार कारवाई की जाएगी।**
3. **गाड़ी के सही समय में मामूली बदलाव हो सकता है। सभी यात्रा करने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा करने से पहले आईआरसीटीसी के कॉरपोरेट कार्यालय से पुनः पुष्टि कर लें।**
4. **यात्री मूल फोटो पहचान पत्र के साथ वाऊचर रखे और यह तभी वैध होगा जब इसे फोटो पहचान पत्र के साथ दिखाया जाएगा। यदि संबंधित फोटो पहचान पत्र वाऊचर के साथ में नहीं होने पर इसे बिना टिकट यात्री समझा जाएगा और तद्नुसार कारवाई की जाएगी।**
5. **टिकट चैकिंग कर्मचारियों के मांगने पर यात्रियों को उपरोक्त फोटो पहचान पत्र के साथ बाऊचर को दिखाना होगा।**
6. **वीजा अनुच्छेद**

क. अभी हाल ही में वीजा नियमों में बदलाव के कारण यह नोट कर लें कि ऐसे यात्री जिनके पासपोर्ट पर मल्टीपल प्रवेश भारतीय वीजा है, को भारत में लुम्बिनी भ्रमण (इस कार्यक्रम के अनुसार) (दो माह के अन्दर) पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। लुम्बिनी भ्रमण के पश्चात जिन यात्रियों के पास डबल प्रवेश वीजा है, पुनः प्रवेश की अनुमति होगी।

ख. यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित देशों के भारतीय वीज़ा जारी करने वाले प्राधिकारियों के साथ उनके लुंम्बिनी भ्रमण और भारत में वापसी होने के उचित वीज़ा के संबंध में चैक करवा लें। यात्री अपने यात्रा कार्यक्रम को आवश्यक रूप से अपने वीजा आवेदन करते समय प्राधिकारियों को प्रस्तुत करें।

ग. भारतीय पासपोर्ट धारक के अलावा सभी विदेशी पर्यटकों को आवश्यक रूप से भारत का वीजा जिसमें टुअर के दौरान नेपाल और टूअर पूर्ण होने पर भारत भ्रमण (यात्रा कार्यक्रम के अुनसार) वापस की अनुमति भी हो, ले लें। सभी विदेशी पर्यटक उनके यात्रा कार्यक्रम के अनुसार अपने देशों की भारतीय दूतावास/भारतीय वाणिज्य दूतावास के वीजा सैक्शन/वीजा जारी करने वाले प्राधिकारी से उपयुक्त वीजा (दोहरी प्रवेश या बहु प्रवेश) का होना पुनः चैक कर लें।

घ. भारतीय पासपोर्ट धारकों के अलावा सभी विदेशी पर्यटकों के पास नेपाल का वैध वीजा होना चाहिए। यदि किसी कारण से विदेशी पर्यटक टुअर में शामिल से पहले नेपाल का वीजा प्राप्त नहीं कर सके तो आईआरसीटीसी प्रवेश पोस्ट पर इसकी सुविधा उपलब्ध करा देगा। ऐसे यात्री अपने दो पासपोर्ट फोटोग्राफ अपने पास रखे। यात्रियों के द्वारा वीजा फीस स्वयं ही सीधे भुगतान किया जाएगा

ड. भारतीय नागरिक नेपाल भ्रमण के लिए सरकार द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र (पासपोर्ट, ड्राईविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड आदि) अवश्य रखें।

7. आईआरसीटीसी को अधिकार है कि वह किसी भी यात्री के बुकिंग की मनाही, बिना कोई कारण बताएं कर सकता है।
8. टूर प्रारंभ होने के पश्चात् रूकावट होने की स्थिति में पर्यटक के द्वारा स्वयं से पुरा नहीं करने या टूर का किसी भाग या टूर की सेवा का उपयोग नहीं करने पर या किसी अनजान कारणों से दर्शनीय स्थल या स्मारक के स्थानीय नगर प्रशासन/अन्य कोई सरकारी प्राधिकारी/अप्रत्याशित घटना, परिस्थितियों, स्थितियों आदि के कारण से बन्द होने की स्थिति में कोई धन वापसी अथवा समायोजन नहीं किया जाएगा।
9. यदि हमारे नियंत्रण से बाहर स्थानीय परिवहन बसें गाड़ियों के देरी से चलने के कारण कोई दर्शनीय स्थल छूट जाते हैं तो कोई धन वापसी नहीं की जाएगी।
10. ग्रुप टूर होने के कारण यात्रियों को अन्य यात्रियों के साथ बस/बसें और गाड़ी साझा करना अपेक्षित हौ यदि किसी यात्री/यात्रियों को अलग से बस/बसों के द्वारा यात्रा करने के इच्छुक है तो उन्हें आईआरसीटीसी को कम से कम एक माह अग्रिम से सूचित करना पड़ेगा। आईआरसीटीसी इसके लिए यथोचित व्यवस्था करने का प्रयास करेगा, जिसके लिए यात्री/यात्रियों को अतिरिक्त भुगतान करना अपेक्षित होगा। टूर के सुचारू संचालन के लिए यात्रियों को टूर प्रबंधक द्वार समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।
11. टुअर कार्यक्रम के अनुसार इस टुअर में कुछ लम्बी दूरी की यात्रा भी शामिल है। मार्ग में उपर्याप्त मूलभूत सुविधाओं (प्रसाधनों आदि) के कारण यात्रियों को असुविधाएं हो सकती है। तथापि यात्रियों के द्वारा जब भी अपेक्षित होगा उपयुक्त स्थलों पर विराम प्रदान किया जाएगा।
12. यातायाता अवरोध, बसों आदि में ब्रेक डाऊन जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण गाड़ी/सड़क यात्रा समय संभावित यात्रा समय से अधिक हो सकता है इसके परिणाम स्वरूप भोजन सेवा में देरी, दर्शनीय भ्रमण की कमी/देरी या नहीं हो सकता है।
13. होटल और गाड़ी में भोजन पूर्व निर्धारित मेन्यू होता है और इसका निर्धारण अधिकांश पर्यटकों के पसंद के अनुसार किया जाता है। किसी विशिष्ट पसंद के मेन्यू के अनुसार संभव नहीं होगा।
14. यात्रा कार्यक्रम के अनुसार कुछ स्थानों पर होटल के कमरे केवल हाथ मुह धोने और कपड़े बदलने के उद्देश्य से व्यवस्था की गई है। यात्रियों को ऐसी आशा नहीं करनी चाहिए कि कमरे लम्बे समय के लिए दिए गए हैं। कुछ स्थानों पर होटल के कमरों के लिए चैक-इन में देरी होटल के द्वारा कमरे की व्यवस्था के कारण देरी से हो सकती है।
15. प्रथम श्रेणी वातानुकूलित – इसमें केबिन में 4 बर्थी(दो लोअर और दो अपर) होती है। केबिन को अन्दर से ताला बंद किया जा सकता और इसमें स्लाईडिंग दरवाजा होता है।

प्रश्रम श्रेणी वातानुकूलित कूपे – इसमें केबिन में 02 बर्थों (एक लोअर और एक अपर) होती है। केबिन को अन्दर से ताला बंद किया जा सकता है और इसमें स्लाईडिंग दरवाजा होता है।

वातानुकूलित 02 टायर इसमें खुली केबिन मे 6 सीटें (चार रास्ते के एक ओर दो दूसरी ओर) होती है। चार सीट की केबिन में दो लोअर और दो अपर बर्थें होती हैं। केबिन में दरवाजे के स्थान पर पर्दा लगा होता है। दो बर्थ (एक लोअर एंव एक अपर) रास्ते के एक ओर होती है। इन दो बर्थों में पर्दें होते हैं।

वातानुकूलित 02 टायर इसमें खुली केबिन में चार सीटें रास्ते के एक ओर होती है। चार सीट की केबिन में दो लोअर और दो अपर बर्थ होती है। केबिन में दरवाजे के स्थान पर पर्दे लगे होते हैं।

गाड़ी में सामान रखने का सीमित स्थान होता है। जब गाड़ी में होते हैं तो सामान सीट/बर्थ के नीचे रखा जा सकता है। अतः यात्रियों की सलाह दी जाती है कि कम से कम सामान के साथ यात्रा करें।

16. **यात्रियों को अपने सामान/सम्पत्ति का स्वयं ध्यान रखना चाहिए। आईआरसीटीसी रेलवे स्टेशन/गाड़ी/बस होटलों आदि में किसी भी सामान/सम्पत्ति के खोने या क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।**
17. **यह पर्यटकों की जिम्मेदारी है कि वे इस टूर की बुकिंग करने से पहले सभी नियम और शर्त/प्रस्तावित सेवाएं/प्रस्तावित सेवाओं का प्रकार आदि के बारे में सावधानीपूर्वक पढ़ लें और पूरी तरह समझ लें। किसी भी प्रकार की शंका/स्पष्टीकरण टूर की बुकिंग से पहले आईआरसीटीसी से इसका समाधान कर सकते हैं।**
18. **यात्रा की योजना समय से पहले बनाएं। हमें कार्यक्रम को किसी भी समय पर आवश्यकता होने पर परिवर्तन का अधिकार है। यदि न्यूनतम यात्री नहीं मिलते या किसी परिचालिक कारणों और स्थितियों के किन्हीं कारणों से हमें प्रस्थान रद्द करने या इसमें संशोधन का अधिकार है। वैसे अधिकतर बदलाव मामूली से होते हैं। किन्तु कई बार इसमें महत्वूपर्ण बदलाव की संभावना होती है। किसी महत्वपूर्ण बदलाव उसे कहते हैं जिसमें यदि तिथि या गंतव्य का बदलाव होता है, ऐसी स्थिति में हम यात्रियों को उनके बुकिंग फार्म पर दिए गए सम्पर्क विवरण पर उन्हें सूचित करेंगे। ऐसी स्थिति में हम आपको यथा संभव निम्नलिखित समाधान की व्यवस्था करेंगे:**

    क. बदलाव व्यवस्था को स्वीकारें या अन्य उपलब्ध टूर तिथि को स्थानांतरण करें।

    ख. रद्द करें या रद्दीकरण को स्वीकार करें जिसमें आपको दी गई राशि बिना ब्याज भुगतान को वापिस कर दी जाएगी तथापि किसी सेवा जैसे प्री/पोस्ट टूर आवास, एयर लाइन टिकटें, वीजा प्रभार की धन वापसी नहीं होगी क्योंकि उनको आपके द्वारा/या आपके ट्रेवल एजेन्ट ने बुक किया होगा।

टुअर विशेषताएं		
यहां क्लिक करें	मुख्य विशेषताएं/शामिल पैकेज	
बुद्धिस्ट सर्किट विशेष टुअर की विशेषताएं		

1. **बुद्धिस्ट सर्किट टूर के लिए एकमात्र गाड़ी :** बुद्धिस्ट सर्किट टूर विशेष गाड़ी एवं बुद्धिस्ट स्थानों के लिए एक मात्र वातानुकूलित गाड़ी है और इस विशेष टूर के लिए आईआरसीटीसी के द्वारा बुक किए गए पर्यटकों के अलावा अन्य यात्रियों को नहीं ले जाती है।
2. **गाड़ी में सुरक्षा :** यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कोच ने निरंतर और कड़ी नजर रखने के लिए प्राइवेट सुरक्षा गार्ड
3. **ऑन बोर्ड स्वच्छ रसोई कार की सुविधा :** यात्री/विविधता युक्त गर्म भोजन (शाकाहारी/मांसाहारी), स्नैक्स और शानदार शीतल पेय चुन सकते है। पैक्ड पीने का पानी, चाय और काफी यात्रियों के लिए पर्याप्त मात्रा में भी उपलब्ध है।
4. **ऑनबोर्ड स्वच्छ और साफ शौचालय और शॉवर :** यात्रियों की सुविधा के लिए स्वच्छ और साफ शौचालय और शावर की व्यवस्था की गई है।
5. बुद्धिस्ट सर्किट के होटलों में आरामदायक आवास
6. **बीमा कवर :** सभी यात्रियों को टुअर के दौरान बीमा कवर दिया जाएगा।
7. **चिकित्सा सुविधा :** आपातकालीन में भारतीय रेलवे की चिकित्सा सुविधा के वृहत नेटवर्क के माध्यम से चिकित्सा सहायता प्रदान की जाएगी।

8. **भाषा गाईड :** पर्याप्त अग्रिम सूचना पर बड़े गुप को विभिन्न भाषा के टुअर गाईड की व्यवस्था की जाएगी।
9. **अन्य सहायता :** पर्यटकों से अनुरोध है कि वे भारत आने से पहले लुम्बिनी (नेपाल) भ्रमण का उपयुक्त वीजा प्राप्त कर लें। तथापि आईआरसीटीसी नेपाल में प्रवेश के लिए नियमानुसार वीजा की व्यवस्था में सहायता करेंगी।

दर्शनीय स्थल

गया

गया का नाम पौराणिक दानव गयासुर (जिसका शाब्दिक अर्थ गया पवित्र असुर है) से पड़ा, दानव (असुर एक संस्कृत शब्द है) । भगवान विष्णु ने अपने पैर के दवाब का उपयोग करके पवित्र दानव गयासुर को मार डाला था। इस घटना से चट्टानी पहाड़ों के कारण शहर के परिदृश्यों को बनाने वाली श्रृंखला को गयासुर ने बदल दिया। गया इतना पवित्र है कि वहां जिसने भी उसे छुआ या देखा पापों से मुक्त हो गया। उसकी मृत्य के बाद कई लोग गया अपने पित्रों को दोष मुक्त करने के लिए उसके शरीर पर श्रद्धा करने के लिए भारी संख्या में आने लगे। यहां आज सबसे लोकप्रिय मंन्दिर विष्णुपद मन्दिर है जो फल्गु नदी के किनारे उस स्थान पर है जहां विष्णु के पद चिन्ह का निशान है। जिमसें गयासुर की छाती पर भगवान विष्णु के द्वारा पैर रखा गया था। बौद्ध परम्परा में विष्णुपद मन्दिर को बुद्ध के पद के साथ जोड़ते हैं। बौद्धों के लिए गया एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान है क्योंकि यहां भ्रमयोनी पहाड़ी है जहां बुद्ध एक हजार पूर्व आग की पूजा करने वाले सन्यासियों को अग्नि प्रवर्चन पर उपदेश (आदित्या पर्याय सुत्तः) दिया था। इस उपदेश को सुनकर सभी प्रबुद्ध बन गए। उस समय इस पहाड़ी को गयाशीश कहा जाता था।

बौद्धगया

बौद्ध परम्पराओं के अनुसार पांच सौ ईसा पूर्व राजकुमार गौतम सिद्धार्थ एक साधु के रूप में भटकते हुए फलगु नदी के वनवासी किनारों के पास गया शहर में पहुंच गए। वहां वे एक बौद्धि वृक्ष के नीचे ध्यान में बैठ गए। तीन दिन और तीन रात ध्यान के बाद सिद्धार्थ को ज्ञान और अंतर्दृष्टि और वह उत्तर प्राप्त किया जिसे वे चाहते थे। इसके बाद उन्होंने आस पास के क्षेत्र में सात अलग-अलग स्थानों पर सात सप्ताह तक ध्यान और अपने अनुभवों पर विचार किया। सात सप्ताह के बाद वह सारनाथ चले गए। जहां उन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाएं देनी शुरू की ।

गौतम सिद्धार्थ ने हिन्दु कैलेण्डर के अनुसार वैसाख (अप्रैल-मई) महीने की पूर्णिमा के दौरान जहां आत्मज्ञान प्राप्त किया था वहां उनके अनुयायी यात्रा करने लगे। समय के साथ यह स्थान बौद्ध गया हो गया एवं आत्मज्ञान वाले दिन को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में और उस वृक्ष को बौद्धी वृक्ष के रूप में जाना जाने लगा।

बुद्ध के आत्मज्ञान के स्थल के रूप में बौद्ध गया बौद्धों का आध्यात्मिक घर है। बिहार में स्थित पटना से यह 115 कि.मी. की दूरी पर है, भूमि सम्पन्न और उपजाऊ हरे खेतों से अटी हुई है और फल्गु नदी एक प्राचीन निरंजना नदी जहां बुद्ध आत्म ज्ञान प्राप्त करने के बाद नहाए थे, के द्वारा सिचिंत है। कम ऊंचाई के वन आच्छादित पहाड़ियां पार्श्व भाग में छोटे गांव की चमक, नदी के रेतीले किनारे सहित है। भिक्षु और नन दुनियाभर से आए पर्यटकों और विश्वासियों के साथ कंधे मिलाते हैं। यह एक सर्वव्यापी शांत शहर है जो आगंतुकों को शांति का एहसास कराता है।

राजगीर

घुमावदार नदी बाण गंगा और पांच पहाड़ियां सुरम्य राजगीर, प्राचीन राजगृह (शाब्दिक अर्थ राजाओं का निवास) को सुस्थापित करता है। बुद्ध के जीवन काल के दौरान यह गुणी राजा बिम्बिसार द्वारा शासित शक्तिशाली राज्य मगध की राजधानी थी। सत्य की तलाश में कई अन्य लोगों की तरह राजकुमार सिद्धार्थ अपनी शाही विरासत को त्यागने के बाद मोक्ष के मार्ग की तलाश करने के लिए इस शहर में आए थे, बाद में उन्होंने अपने शांति और दया के प्रभाव के कारण राजगृह के नागरिकों ने अभिभूत होकर राजा बिम्बिसार सहित अनगिनत अन्यों को अपने धर्म में बदल दिया। राजगृह के आस पास की पहाड़ियों और गुफाएं आध्यात्मिक शिक्षकों के घर थे। जिसमें पहले के तत्व मिमांसा के चरक स्कूल से उपनिषद भौतिकवाद दार्शनिकता का अध्ययन होता था। वास्तव में बुद्ध के बाद पहली बार बौद्ध परिषद सप्तपर्णी गुफाओं में आयोजित की गई। यह राजगीर ही था जहां गौतम बुद्ध ने कई महीनों ध्यान और गिद्धकुटा (गिद्धों की पहाड़ी) में उपदेश दिए थे। उन्होंने यहां अपने कुछ प्रसिद्ध धर्मोपदेश दिए थे। यहां के कई सम्पन्न व्यापारी समुदाय शीघ्र ही बुद्ध के अनुयायी बन गए और ठेठ बौद्ध वास्तुकला की कई संरचना का निर्माण किया।

नालन्दा

नालंदा प्राचीन भारत में सबसे प्रस्यात विश्वविद्यालय था जिसका नाम ना-अलाम-दा से व्युत्पन्न हुआ जिसका अर्थ दान का लालची। जिसके लिए भगवान बुद्ध भी जाने जाते थे, नालंदा दुनिया के पहले आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक था । यहां छात्रों के लिए सामूहिक शयनगृह थे। अपने सुनहरे दिनों में यहां दस हजार छात्र और दो हजार शिक्षकों से अधिक का आवास था। विश्वविद्यालय वास्तुशिल्प की उत्कृष्ट कृति माना जाता था और चारों और दीवारें और एक गेट बना हुआ था नालंदा विश्वविद्यालय में सभी विषयों को पढ़ाया जाता था तथा यह कोरिया, जापान, चीन, तिब्बत, इंडोनेशिया, फारस और तुर्की से विद्यार्थियों और विद्वावानों को आकर्षित करता था।

बुद्ध का कई बार नालंदा में रूके होने का उल्लेख किया गया है। जब वे नालंदा का दौरा किया करते थे तो आमतौर पर पवारिस्वास आम के बाग में निवास करते थे और वहां उपालागहपटी और दिगहटापसी, केवट्टा के साथ विचार विमर्श और यह असिबंधकपुट्टा के साथ भी चर्चा करते थे। बुद्ध अपने अंतिम दौरे पर मगध होते हुए आए थे और वहां सारिपुत्त ने अपने शेर की दहाड़ में अपनी निष्ठा मृत्य से पहले बुद्ध के प्रति पुष्टि की थी। इसके अलावा नालंदा सोन्नादिन्ना का निवास था। इस स्थान पर महावीर का भी कईं बार यहां रूकने का उल्लेख किया गया है जो कि जैनियों की गतिविधियों का एक प्रत्यक्ष केन्द्र था।

वाराणसी

वाराणसी उत्तर भारत के शहर उत्तर प्रदेश राज्य में गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित है। अंग्रेजों के द्वारा कहा जाता था। वाराणसी, हिन्दू धर्म में पवित्र शहर है। सभी वर्ग के प्रतिवर्ष हिंन्दुओं के लिए सबसे पवित्र तीर्थ स्थानों में से एक रहा है। 1,000,000 से अधिक तीर्थ यात्री प्रतिवर्ष शहर की यात्रा करते हैं। महाभारत और रामायण के महाकाव्यों में इस शहर का उल्लेख है, प्रसिद्ध अमेरिकी उपन्यासकार मार्क ट्वेन ने एक बार लिखा था कि ''बनारस इतिहास से अधिक पुराना, यहां तक की पौराणिक कथा से अधिक पुराना परम्परा से अधिक पुरानी और इन सबके साथ रखने पर दो गुणा पुराना लगता है। जैसे उन सभी को एक यह भगवान काशी विश्वनाथ (भगवान शिव का एक रूप) के पवित्र मंदिर है, और यह भी भगवान शिव के बारह श्रद्धेय ज्योतिर्लिंगों में से एक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव एक बार वास्तव में काशी (वाराणसी) में रहे थे। हिन्दुओं का विश्वास है कि गंगा में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है

वाराणसी भी बौद्ध धर्म के पवित्रम स्थानों में से एक है। यह माना जाता था कि पच्ची सदियों पहले एक ऋषि बोधगया से 200 किलोमीटर की यात्रा करके जहां उस समय कहलाई जाने वाली काशी के वाराणसी के घाटों तक पहुंचा और निर्वाण प्राप्त किया । शहर में उससे पहले भगवा पहने आध्यात्मिक शिक्षकों को नहीं देखा जो कि अपनी चुंबकीय, अकथनीय आध्यात्मिक शक्ति के द्वारा वहां पहुंचे थे। ऋषि अपने पुराने उन पांच हिंदू सन्यासियों की तलाश कर रहा था जो कि उनसे बिछड़ गया थे और वे हमेशा मोक्ष के लिए आत्म वैराग्य का माध्यम बताते थे। बुद्ध को वे ऋषिपतन काशी के पास हिरण पार्क में मिले थे और

उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान दिया था जिसे प्राप्त करने के पश्चात अलग हो गए थे और वे पहले अनुयायी बने और संघ के पहले सदस्य बन गए।

सारनाथ

सारनाथ उत्तर प्रदेश, भारत में वाराणसी से 13 कि.मी. की दूरी पर स्थित है । सारनाथ (इसे मृगदाव, मिगदाया, ऋषिपतन, इसिपतन भी कहते है) हिरण पार्क है जहां गौतम बुद्ध ने सबसे पहले धर्म की शिक्षा दी जहां कोन्डना के ज्ञान के माध्यम से बौद्ध संघ अस्तित्व में आया। गौतम बुद्ध ने मनुष्य के कल्याण के लिए बहस के स्थान पर अध्यापन शुरू कर दिया। उन्होंने पराकाष्ठा को छोड़कर बीच का रास्ते अपनाने अर्थात् चार नेक सत्य और आठ गुणा पथ निर्धारित किए। अवशेषों की डेटिंग में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक द्वारा विभिन्न संस्थानों, स्तूपों, मठों और स्तंभ शिलालेखों की स्थापना मानी है । सारनाथ में अवशेष और पुरातत्व संग्राहलय में कला संग्रह सारनाथ के गौरवशाली अतीत के उदाहरण हैं।ये पुरातात्विक खंडहर सूर्योदय से सूर्यास्त तक के लिए खुले रहते हैं।

गोरखपुर

गोरखपुर भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के पूर्वी हिस्से में एक शहर है और यह नेपाल सीमा के पास है। गोरखपुर जिला एवं गोरखपुर संभाग का प्रशासनिक मुख्यालय है। गोरखपुर एक धार्मिक केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध है, शहर बौद्ध, हिन्दू, जैन और सिख संतों का निवास था और मध्ययुगीन संत गोरखनाथ के नाम पर है। शहर में कई ऐतिहासिक बौद्ध स्थल है। गौतम बुद्ध, बौद्ध धर्म के संस्थापक, 600 ईसा पूर्व में सत्य की खोज से पहले गोरखपुर के पास राप्ति और रोहिणी नदियों के संगम पर अपने राजसी वस्त्र त्यागे थे । शहर में भी भगवान बुद्ध के समकालीन जैन धर्म के 24वें तीर्थांकर भगवान महावीर की यात्रा के साथ भी जुड़ा है ।

लुम्बिनी (नेपाल)

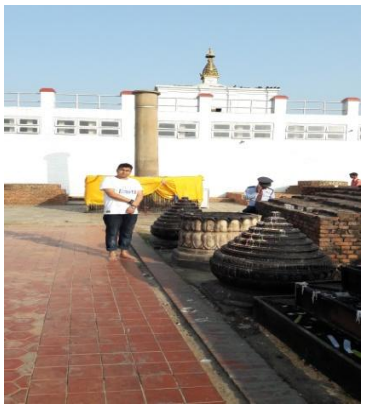

लुम्बिनी (अर्थ सुन्दर है) भारतीय सीमा के पास एक बौद्ध तीर्थ नेपाल के लुम्बिनी क्षेत्र के रूपन्देही जिला में स्थित है, यह वह जगह है जहां माया देवी ने सिद्धार्थ गौतम को जन्म दिया था, जो बाद में एक बुौद्ध (गौतम बुद्ध) बन गया, और बौद्ध धर्म की स्थापना की। गौतम बुद्ध लगभग 563 ईसा पूर्व और 483 ईसा पूर्व के बीच रहे थे। बौद्धों के लिए यह गौतम बुद्ध के जीवन के आसपास चार मुख्य तीर्थ स्थलों में से है अन्य तीन कुशीनगर, बोधगया और सारनाथ है।

लुम्बिनी कपिलवस्तु नगर पालिका के 25 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। जहां बुद्ध बड़े हुए और 29 वर्ष की उम्र तक रहे। कपिलवस्तु उस स्थान का नाम है और पड़ोसी जिला है। लुम्बिनी में मायादेवी मंदिर सहित विभिन्न बौद्ध मंदिर है। यहां पुषकारीनी तालाब भी है और लुम्बिनी में कपिलवस्तु महल के अवशेष भी है। वहां लुम्बिनी के पास अन्य स्थान भी है जहां बौद्ध परम्परा के अनुसार, पिछले बुद्ध का जन्म हुआ और आत्मज्ञान प्राप्त किया और प्राण त्यागे ।

कुशीनगर

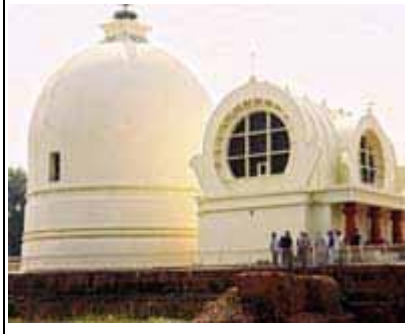

इस स्थान पर हिरण्यवती नदी के पास, गौतम बुद्ध परिनिर्वाण (या अंतिम निर्वाण) मशरूम की एक प्रजाति का भोजन खाने से बीमार पड़ने के बाद प्राप्त किया। यह कहा जाता है कि बुद्ध के कुशीनगर आकर मरने के तीन कारण थेः

1. क्योंकि यह महासुदास्वाना सुत्त के उपदेश के लिए उचित स्थल था,
2. क्योंकि शुबुद्धा वहां की यात्रा करेंगे और उनके प्रवचन सुनने के बाद, ध्यान को विकसित करने और एक अरांहत हो जाएंगे, जबकि बुद्ध अभी भी जीवित होता तथा
3. क्योंकि ब्रह्म दोहा वहां होगा बुद्ध की मृत्यु के बाद उनके अवशेष वितरण की समस्या समाप्त होगी। उनके मृत्यु स्थल होने के कारण कुशीनगर उन

चार पवित्र स्थलों में से एक (धर्म परायणों के लिए उपयुक्त स्थान) हो गया जिसे बुद्ध (महापरिवार्ण सुत्तः में) ने घोषित किया था अन्य तीन कपिलवस्तु, बोधगया और इसीपाटना है।

श्रावस्ती

श्रावस्ती कौशल के प्राचीन राज्य की राजधानी थी, जिसके जटवाना बाग में 24 बरसात के मौसम में बुद्ध को पनाह देने का सम्मान मिला माना जाता है । शहर में पौराणिक राजा श्रावस्त द्वारा स्थापित किया गया था में सदियों पुराने स्तूप, शाही मठ और कई मन्दिर

हैं । ऐसा कहा जाता है ।बुद्ध ने यहां कुछ चमत्कार किए थे कहा जाता है कि इस पवित्र स्थान में प्रसिद्ध आनन्द बोधि वृक्ष है जिसका वंशज बुद्ध के मुख्य शिष्य द्वारा लगाया गया था । श्रावस्ती में एक अन्य प्रसिद्ध घटना घटी थी जिसमें शाक्यमुनि के समय सुदाता नामक एक अमीर और धर्मनिष्ठ व्यापारी श्रावस्ती में रहता था जिसने राजगीर की यात्रा के दौरान बुद्ध का प्रवचन सुना और उनका शिष्य बनने का फैसला किया। लेकिन वह दुविधा में था और उसने प्रभु से पूछा कि वह सांसारिक जीवन छोड़े बिना अनुयायी बन सकता है। उसके सवाल के जवाब में प्रभु ने कहा कि यह ही काफी है कि वह एक धार्मिक तरीके से पालन करते हुए उद्यम कर रहा है।

आगरा

आगरा का ताजमहल दुनिया में सबसे प्रसिद्ध इमारतों में से एक है, यह शाहजहां की पसंदीदा बेगम मुमताज महल की कब्र है। यह दुनिया के सात अजूबों में से एक है, और आगरा में तीन विश्व धरोहर स्थलों में से एक है, अन्य आगरा किला और फतेहपुर सीकरी है ।

1653 ईसा पूर्व में बना ताजमहल, मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा अपनी प्यारी बेगम मुमताज की याद में अंतिम विश्राम स्थल के रूप में निर्मित जाना जा रहा है। संगमरमर से निर्मित यह शायद भारत का सबसे आकर्षक और सुन्दर स्मारक है । पूरी तरह से सममित स्मारक के निर्माण के लिए 22 साल (1630-1652) तक 20,000 श्रमिकों, राजमिस्त्री और जौहरियों द्वारा कठिन श्रम किया । यह सुन्दर बगीचों के बीच में

स्थित है। फारसी वास्तुकार उस्ताद ईसा द्वारा निर्मित ताजमहल यमुना नदी के तट पर है। यह आगरा फोर्ट से एक मृगतृष्णा की तरह देखा जाता था जहां सम्राट शाहजहां को उनके बेटे औरंगजेब ने एक कैदी के रूप में उनके जीवन के आखरी आठ साल तक रखा था । यह समरूपता की उत्कृष्ट कृति है जो कि दूर से हवा में तैरती प्रतीयमान होती है और भ्रम का अनुभव कराती है । मुख्य द्वार से प्रवेश करते समय इस पर पवित्र कुरान की आयतें उत्कीर्ण है और फाटक के ऊपर 22 छोटे गुबंद है जो कि स्मारक के निर्माण में लगे समय संख्या को प्रदर्शित करते हैं । ताजमहल एक संगमरमर मंच पर बनाया गया है जो कि एक बलुआ पत्थर के ऊपर खड़ा है। ताज की सबसे शानदार गुबंद 60 फीट व्यास की है जो भवन को 80 फुट की उचाई तक पहुचता है । गुंबद के ठीक नीचे मुमताज महल की कब्र है । शाहजहां की कब्र उनके बेटे औरंगजेब द्वारा उसके बगल में बनाई थी । बढ़िया नक्काशी एवं अर्द्ध कीमती पत्थरों के द्वारा अदंरूनी साज-सज्जा की गई है।

कार्यक्रम

यात्रा कार्यक्रम का दिनवार विवरण

नोट : दिखाए गए सभी समय और विवरण केवल दिशानिर्देश के लिए हैं वास्तविक यात्रा समय मार्ग स्थितियों, परिचालन परिस्थितियों आदि पर निर्भर करता है।

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 1	**दिल्ली–गया (990 किमी)**	13.00 बजे दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर एकत्रित होना। पराम्परागत स्वागत और अपने संबंधित कोचों में प्रवेश। 14.30 बजे गया के लिए गाड़ी का प्रस्थान । शाम की चाय और रात्रि भोजन ऑनबोर्ड । पूरी रात गाड़ी में।

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 2	**गया–बोधगया–(16 किमी)**	प्रातःकाल गया रेलवे पर आगमन। स्नान एवं कपड़े बदलना। तत्पश्चात गाड़ी में नाशता। उतरना और बोधगया के दर्शनीय स्थलों जिसमे महाबोधी मंदिर और निरंजना नदी शामिल है, के लिए कोच हेतु एकत्रित होना। दोपहर बाद होटल में प्रवेश और दोपहर भोजन। दोपहर भोजन के पश्चात् कुछ समय आराम करना। थाई मन्दिर, जापानी मन्दिर और बौद्ध प्रतिमा के दर्शन । सांयकाल होटल में वापसी, रात्रि भोजन और बोधगया में रात्रि विश्राम

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 3	**बोधगया–नालंदा–राजगीर–गया–वाराणसी**	05.30 बजे प्रातःकालीन चाय एवं नाश्ता तत्पश्चात् होटल छोड़ना। राजगीर के लिए बस द्वारा प्रस्थान (85 किमी)। 11.00 बजे राजगीर आगमन। राजगीर के बिम्बिसार जेल, गृध्दकुट पहाड़ी, वेनुवन का भ्रमण। 12.30 बजे राजगीर में दोपहर भोजन के लिए रेस्टोरेन्ट के लिए प्रस्थान। दोपहर भोजन के पश्चात नालंदा में विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेष और नालंदा संग्रहालय भ्रमण के लिए प्रस्थान। 16.00 बजे गया रेलवे स्टेशन पर वापसी के लिए प्रस्थान। 19.30 बजे गया रेलवे स्टेशन पर आगमन और गाड़ी में प्रवेश। ऑनबोर्ड रात्री भोजन। गया से गाड़ी द्वारा 23.30 बजे वाराणसी (220 किमी) के लिए प्रस्थान।

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 4	**वाराणसी–सारनाथ–गोरखपुर**	प्रातकालीन चाय ऑनबोर्ड और वाराणसी आगमन। होटल में नहाने एवं कपड़े बदलने हेतु (कमरा केवल नहाने हेतु कपड़ा बदलने हेतु दिया जाएगा) और नाश्ते के लिए प्रस्थान। नाश्ते के पश्चात धामेक स्तूप, सारनाथ संग्रहालय, अशोक स्तम्भ, मुलंगधा कुटी विहार के भ्रमण हेतु (10 कि.मी.) प्रस्थान। अपराह्न – होटल में दोपहर भोजन, तत्पश्चात कुछ समय खाली। पर्यटक खरीददारी या अन्य गतिविधियों कर सकते हैं। सांयकाल – गंगा नदी के घाट पर सांयकालीन आरती देखना । गाडी में वापसी । 20.00 बजे – वाराणसी रेलवे स्टेशन पर आगमन और गाड़ी पकड़ना। रात्रि भोजन गाड़ी में। 23.30 बजे गोरखपुर(224 किमी) के लिए प्रस्थान । पूरी रात गाड़ी में ।

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 5/6	गोरखपुर-कुशीनगर	प्रातःकालीन चाय गाड़ी में। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर आगमन। गोरखपुर/ कुशीनगर में होटल के लिए कोच के द्वारा प्रस्थान। कुशीनगर में होटल में प्रवेश के लिए आगमन। होटल में नाशता । नाश्ते के पश्चात महापरिनिर्वाण मंन्दिर, रामभर स्पूत, माता कुटीर मंदिर आदि का भ्रमण। अपराह्न – होटल में दोपहर भोजन, तत्पश्चात कुछ समय खाली। पर्यटक खरीददारी या अन्य गतिविधियों कर सकते हैं। अपराह्न – होटल में दोपहर भोजन, तत्पश्चात कुछ समय खाली। पर्यटक खरीददारी या अन्य गतिविधियों कर सकते हैं। सायंकाल को भजन और ध्यान सत्र (बशर्ते कि उपयुक्त शिक्षक/अनुदेशक उपलब्ध हो) रात्री भोजन और पूरी रात होटल में ठहरना) 05.00 बजे प्रातःकालीन चाय और नाशता होटल में। 06.00 बजे होटल से प्रस्थान और बस द्वारा लुम्बिनी/(नेपाल) प्रस्थान/ पर्यटकों से अनुरोध है कि वे नेपाल का वीजा अपने देश से प्राप्त कर लें अन्यथा सीमा पर वीजा प्राप्त करने में काफी समय लगेगा।
	कुशीनगर-लुम्बिनी-गोरखपुर	लुम्बिनी आगमन और दोपहर भोजन के लिए होटल/रेस्टोरेन्ट के लिए प्रस्थान । लुम्बिनी में माया देवी मंन्दिर, अशोक स्तम्भ और पुषकरनी झील का **भ्रमण** । 16.00 बजे गोरखपुर के लिए प्रस्थान । गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर आगमन। लगभग 20.30 बजे गाड़ी में पहुंचना। ऑनबोर्ड रात्रि भोजन, 23.30 बजे गोंडा के लिए गाड़ी से प्रस्थान। पूरी रात गाड़ी में।

नोटः दिन-5 और दिन-6 का कार्यक्रम परिचालन व्यवहार्यता के कारण आपस में बदल सकता है। ऐसी स्थिति में दिन-5 का रात्रि विश्राम लुम्बिनी में और कुशीनगर भ्रमण दिन-6 को हो सकता है। इसकी सूचना यात्रियों को ट्रिप प्रारंभ होने से पहले दी जाएगी।

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 7	गोंडा-श्रावस्ती-गोंडा-आगरा	प्रातःकालीन चाय ऑनबोर्ड और गोंडा रेलवे स्टेशन पर आगमन । बस के द्वारा श्रावस्ती (65किमी) के लिए प्रस्थान। होटल में नहाने और कपड़े बदलने (कमरा केवल नहाने और कपड़े बदलने हेतु दिया जाएगा) और नाश्ते के लिए पहुंचना। नाश्ते के पश्चात जतवन विहार, पक्की कुटी और सेहत महल और थाई मन्दिर का भ्रमण। अपराह्न – होटल में दोपहर भोजन और वापस गोंडा रेलवे स्टेशन पर गाड़ी पकड़ने के लिए प्रस्थान। 17.00 बजे – गोंडा रेलवे स्टेशन पर गाड़ी पकड़ने के लिए आगमन। 18.00 बजे गाड़ी द्वारा आगरा (450किमी) के लिए प्रस्थान। शाम की चाय और रात्रि भोज ऑनबोर्ड। पूरी रात गाड़ी में।

दिन	क्षेत्र	कार्यक्रम
दिन 8	**आगरा-दिल्ली**	प्रातःकालीन चाय, स्नान आदि और नाश्ता गाड़ी में, नाश्ते के पश्चात विश्व प्रसिद्ध ताजमहल के भ्रमण हेतु प्रस्थान।

		12.30 बजे- आगरा रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्थान। 14.15 बजे गाड़ी द्वारा नई दिल्ली (220 किमी) के लिए प्रस्थान। गाड़ी में दोपहर भोजन एवं शाम की चाय। दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर लगभग 18.30 बजे आगमन
……….. **टूअर समाप्ति** ……….		

आप हमें इस पर सम्पर्क कर सकते है स्पष्टीकरण / प्रश्न / शिकायतों /प्रशंसा के लिए :-(भारतीय मानक समयः 0800 - 2000 बजे): पर से संपर्क करें

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज़्म कॉरपोरेशन लिमिटेड

कॉरपोरेट कार्यालय, विंग ए, 11वां तल, स्टेट्समैन हाऊस, बी – 148, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001, भारत

मो. नं.. +919717645648/9717648514 टोल फ्री नं.. 1800110139

ईमेलः tourism@irctc.com वेबसाइटः www.irctctourism.com/buddha, www.buddhatrain.tw

किसी भी भुगतान से संबंधित प्रश्न के लिए-यहां क्लिक करें

आईआरसीटसीसी बुद्धिस्ट सर्किट पर्यटक गाड़ी के लिए बिक्री एजेन्टों (पीएसए) को वरीयता देता है

मीनार ट्रैवल (भारत) प्रा. लि.	
मीनार ट्रैवल (भारत) प्रा. लि. (नई दिल्ली में पंजीकृत कार्यालय) **पताः**29, रीगल बिल्ड़िंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001 ईमेल-:gsj@minartravels.com , roma@minartravels.com **टेलि. नं.:** +91-11-43368700 **फैक्स नं.:** +91-11-23368713	**मीनार ट्रैवल शाखा कार्यालय सिऑल, कोरिया** **पताः** #416 सजो बिल्ड़िंग, चुंगयोंग रो 2 जीए 157, सिओदाईमुन गु, सिऑल, कोरिया - 120-707 **ईमेल :**utntour@hanmail.net **टेलि. नं.:** +82-27362883
जातक ट्रैवल	
. **जातक ट्रैवल (वाराणसी में पंजीकृत कार्यालय)** **पताः 1 ई/19ए, प्रथम तल, स्वामी राम तीर्थ नगर,** झंडेवालान एक्सटेन्शन, नई दिल्ली - 110055 **ईमेलः** md@jataktravel.com , jataktravelsdelhi@yahoo.co.in **टेलि. नं.:**+91-11-65664636/64627123	. **जातक ट्रैवल (चीन में शाखा कार्यालय)** **नामः सुश्री हुम्मा तियान** **ईमेलः** 606045@qq.com
जातक ट्रैवल (थाईलैण्ड में शाखा कार्यालय) **नामः सुश्री फिम्नीन्फा कन्थानान** **ईमेलः** salesjatak@hotmail.com	**जातक ट्रैवल (यू.एस.ए. में शाखा कार्यालय)** **नामः श्री भारत भक्ता** **ईमेलः** bharat@globimax.com
जातक ट्रैवल (कोरिया में शाखा कार्यालय) **नामः** यूनसूक पार्क **ईमेलः** sook3394@gmail.com	**जातक ट्रैवल (जर्मनी में शाखा कार्यालय)** **नामः श्री चन्दर झांब** **ईमेलः** cjhanb@googlemail.com

टॉप ट्रैवल एवं टूअर्स प्रा. लिमिटेड

टॉप ट्रैवल एवं टूअर्स प्रा. लिमिटेड (नई दिल्ली में पंजीकृत कार्यालय)

पताः एल-3, सम्राट भवन, रंजीत नगर कमर्शियल काम्पलेक्स, नई दिल्ली – 110008

ईमेलः toptrav@vsnl.com

टेलि. नं. +91-11-43677777

मो. नं. +91-9899111138

फैक्सः +91-11-2570 1125 / 4228

वेबसाइटः WWW.TOP-TRAVELS.COM

टॉप ट्रैवल एवं टूअर्स (प्रा.) लिमिटेड (बैंकॉक, थाईलैण्ड में शाखा कार्यालय)

प्रतिनिधि कार्यालयः लाइसेन्स नं. 1755501839

आईटीएफ सीलोम पैलेस जुरिस्टिक कन्डोमिनियम

160/53 सिलोम रोड, सुरियावाँग, बैंकॉक 10500

ईमेल एवं एसएमएसः topthailand@hotmail.co.th & Sutee@top-travels.com

टेलि. एवं फैक्सः +662-236-239-7

मोबाइलः +668-3425-730-4

बौद्ध सर्किट पर्यटक ट्रेन के लिए बौद्ध ट्रेवल एसोसिएट

अशोक मिशन पताः पीओ बॉक्स नं. 10831, महरौली, नई दिल्ली – 110030

ईमेल pilgrimage@askomission.com

सम्पर्क व्यक्तिः श्री एमस साइमनः + 91 - 9560521646, श्री गौरव कटारियाः + 91 - 9999030436